हिमाचल के लोकगीत

हिमाचल प्रदेश भारत के खूबसूरत राज्यों में से एक नाम है। यह भारत का बहुत ही खुबसूरत राज्य है। इस राज्य की सुंदरता को हिमाचल प्रदेश की संस्कृति चार-चांद लगा देती है।

यहां के लोकगीत विवाह या अन्य शुभ अवसरों पर गाए जाते हैं। यहां के लोकगीतो का अपना आनन्द व महत्व है।
लड़की के विवाह के अवसर पर गाए जाने वाले लोकगीत :-

हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के छोटे-से गांव पट्टा महलोग में लड़की के विवाह के समय बहुत-सी रस्में होती है, जिन्हे खूबसूरती वहां के लोकगीतों द्वारा मिलती है।
लड़की की शादी के एक दिन पहले तेल व बटणा (हल्दी) की रस्में होती है।
जिसमें इस प्रकार के गीत गाए जाते हैं।

2) दो वन्जारन तेला नू भेजे ओ पी ना आए मुड़के ...

थोड़ा-थोड़ा तेल मेरी अम्मा जी नूं देयो
और मलो अंग मेरे

इसके बाद लड़की को हल्दी लगाने की रस्म शुरू की जाती है। जिसमे इस प्रकार के गीत गाए जाते हैं —

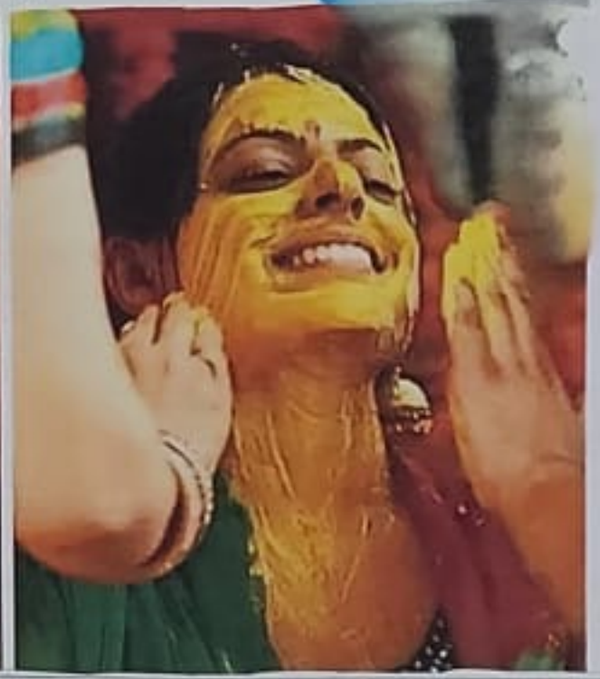

दो वन्जारन बटने नू भेजे ओ पी ना आए मुड़के .....
थोड़ा-थोड़ा बटना मेरी सहेलियां नू दयेओ
और मल्यो अंग मेरे .....

(3) हल्दी के समय एक और गीत गाया जाता है, जो इस प्रकार से है —

अंत मे आती है विदाई। जो माता - पिता और लड़की की कठिन परीक्षा होती है। जहा एक ओर माँ - बाप को बिटिया को विदा करना मुश्किल होता है, वहीं बेटी न चाहकर भी अपना घर आंगन छोडकर विदा होती है। इस मुश्किल समय पर भावनाओ को व्यक्त करने वाला गीत गाया जाता है।

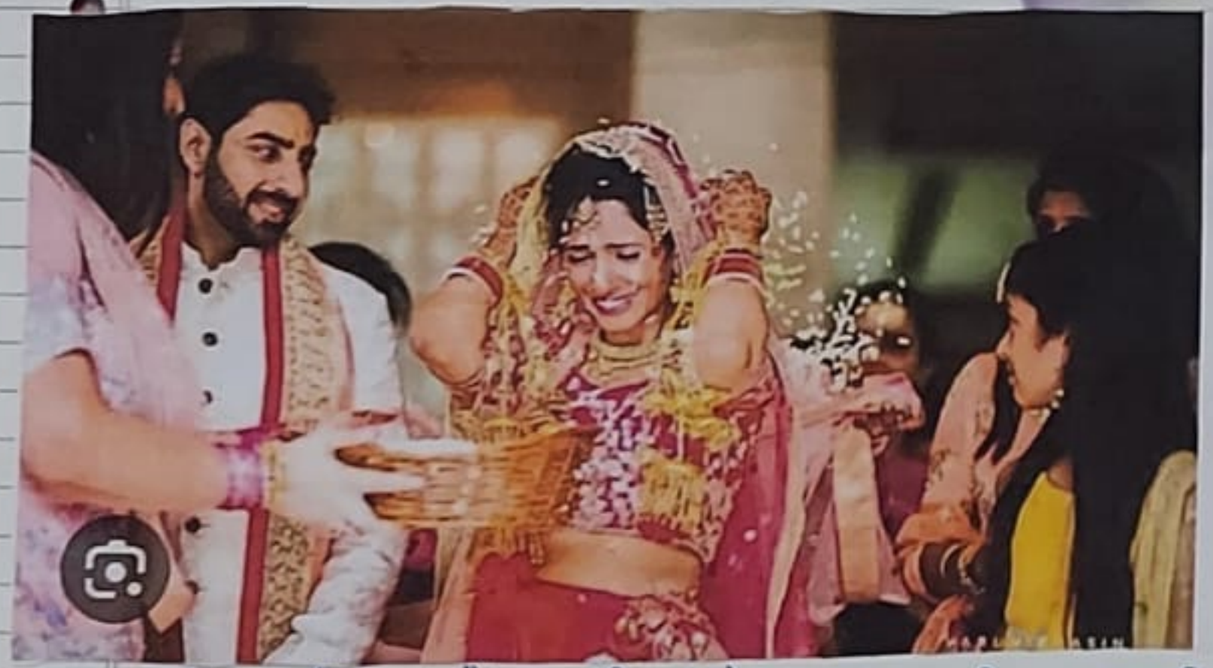

(5) धनिया बीजन मैं चली ओ बाप दी फुलवयारियां
धनिया बीजन मैं चली ओ बाप दी फुलवयारियां

जांदे - जांदे कृष्ण जी मिलये सालुरु दी लाइलेई
ओठ वेइ....

धनिया बीजन मैं चली आ चाचे दी फुलवयारियां
धनिया बीजन मैं चली आ चाचे दी फुलवयारियां...

जांदे - जांदे कृष्ण जी मिलये सालुरु दी लाइलेयी
ओठ वेइ ....

सुहाग गीत -

1 पक्के - पक्के आम्ब से चुगी गोदा पास
पक्के - पक्के आम्ब से चुगी गोदा पास
कच्चेयाँ दी कदर न पाई

2
2. चन्न चढेया वणी दे ओले
चन्न चढदे ने रस्मा छडियाँ। - 2

माता रोंदीस पिता दे ओले
धीआं अपणे घरां नो चलियां।
तू कजो रोंदी माए मेरिए
धीआं सारे जहान ने तोरियां

3. तू कजो रोंदी ~~माए~~ भाभी मेरिए
धीआं सारे जहान ने तोरियां
चुन्न चढेया वणी दे ओले
चन्न चढदे ने रस्मा छडियाँ

तू कजो रोंदी ताई मेरिए
धीआं सारे जहान ने तोरियां

तू कजो रोंदी बुआ मेरिए
धीआं सारे जहान ने तोरियां

Teacher's Remarks:

Teacher's Signature ________

बिदाई गीत

बापू दूर ना देयो, परदेश ना देयो
तिज्जो कसम लगे मेरे प्यारा दी - 2

मेरा बापू भी बिछड़ेया
मेरी अम्मा भी बिछड़ी, बिछड़ी
सहेलियाँ दी जोड़ी. - 2

भाईया दूर ना देयो, परदेश ना देयो
तिज्जो कसम लगे मेरे प्यारा दी - 2

मेरी बहना भी बिछड़ी मेरी भाभो (भाभी)
भी बिछड़ी, मेरी बिछड़ी सहेलियां दी
जोड़ी. - 2

मामा दूर ना देयो, परदेश ना देयो
तिज्जो कसम लगे मेरे प्यारा दी - 2

मेरा मामा भी बिछड़ा, मेरी मामियाँ
भी बिछड़ी, मेरी बिछड़ी सहेलियाँ दी
जोड़ी - 2

बापू दूर ना देयो, परदेश ना देयो
तिज्जो कसम लगे मेरे प्यारा दी -

Teacher's Remarks:

Teacher's Signature ________

लाल दरी अंगना में बिछवादे रे बन्ने
लाल दरी अंगना में बिछवादे रे बन्ने

बन्ने तेरी घोड़ी सजी दरवाजे खड़ी
दरवाजे खड़ी रे द्वारे पे खड़ी
बन्ने तेरी घोड़ी सजी दरवाजे खड़ी

तेरे दादा हजारी ने मोल लयी
दादी रानी पद्मनाए मोतीयन की लड़ी ॥
तेरे बाबा हजारी ने मोल लयी
मम्मी रानी पद्मनाए मोतीयन की लड़ी ॥

बन्ने तेरी घोड़ी सजी दरवाजे खड़ी
दरवाजे खड़ी रे द्वारे पे खड़ी ॥

तेरे चाचा हजारी ने मोल लयी
तेरे ताऊ हजारी ने मोल लयी ॥
चाची पद्मनाए मोतीयन की लड़ी
ताई रानी पद्मनाए मोतीयन की लड़ी ॥

बन्ने तेरी घोड़ी सजी दरवाजे खड़ी
दरवाजे खड़ी रे द्वारे पे खड़ी ॥

तेरे मौसा हजारी ने मोल लयी
तेरे फूफा हजारी ने मोल लयी
मौसी रानी पद्मनाए मोतीयन की लड़ी
बुआ रानी पद्मनाए मोतीयन की लड़ी ॥

बन्ने तेरी घोड़ी सजी दरवाजे खड़ी
दरवाजे खड़ी रे द्वारे पे खड़ी ॥

→ यह गीत एक 'घोड़ि' गीत है जो कि लड़के के विवाह में गाया जाता है। यह गीत उस समय गाया जाता है जब बारात अपने घर से चलने के लिए तैयार होती है और सभी नव-वधू के आने की खुशी में नाच रहे होते हैं।

5. मेंहदी गीत (लड़की)

?

मेंहदी गीत (लड़का) (घोड़ी)

नीली तेरी घोड़ी वे बनेया बैठी मेंहदी
लगावे..
न्याणी तेरी बनणी वे बनेया बैठी
तेल च्चावे (लगावे)
न्याणी तेरी बनणी वे बनेया बैठी
मेंहदी लगावे
न्याणी तेरी बनणी वे बनेया बैठी
बरिया (कपड़े) पावे
न्याणी तेरी बनणी वे बनेया बैठी
~~बण~~ गहणे सजावे.

शांति पूजा गीत (लड़की)

शांत करावे लाडो मामे तेरे
शांति दा ~~बना~~ वणा गया आकाश
जो पित्रा दे पास
पित्र इनके स्वर्ग बसे

शांति पूजा गीत (लड़का)

शांति बेठया ओ पंडता ओ वे तुसे
क्या वे चाहिदा।
जुग-2 जीयो जजमाणि मुसे रेत
चाहिदा!
शांति बेठया ओ पंडता ओ वे तुसे
क्या वे चाहिदा।
जुग-2 जीयो जजमाणि मुसे थैली
चाहिदी।
शांति बेठया ओ पंडता ओ वे तुसे
क्या वे चाहिदा
जुग-2 जीये जजमाणिये मुसे गुलाल
वे चाहिदा!

सेहरा बंदन (बरात प्रस्थान)

किण-मिण, किण-मिण मीं (बादल) बरसे
हरे-हरे जौं तेरी घोड़ी चुगे
कौन बन्ना तेरे शगण करे, कौन
बन्ना तेरी बारात चढ़े।
माता.. जे धरमी मेरे शगन करे
पिता.. जे धरमी मेरे जनेत (बारात)
चढ़े।
कौन बन्ना तेरे शगण करे, कौन बन्ना
तेरी बारात चढ़े।

बारए - बारए कटोरा ए बटने दा
बारए - बारए कटोरा ए बटने दा ......

बारए - बारए मलेंदिया ए दो जनियां
बारए - बारए मलेंदिया ए दो जनियां ....

बारए - बारए कटोरा ए बटने दा,
बारए - बारए कटोरा ए बटने दा ....

बारए - बारए मलेंदिया ए दो सखियां
बारए - बारए मलेंदिया ए दो सखियां .....

इसके बाद हल्दी की रस्म जैसे ही खत्म होती है, लड़की को नहाने के लिए ले जाया जाता है। इसमें भी गीत गाए जाते हैं।

(3) गंगाजल नीर मंगाइयो, बेटी नहाने जो आई
घनतारा पाटड़ा दबाइलो, बेटी नहाने जो आई....
गंगाजल नीर मंगाइयो, बेटी नहाने जो आई

गऊआं दा दुध मंगाइयो बेटी नहाने जो आई
गऊआं दा दुध मंगाइयो बेटी नहाने जो आई....

गंगाजल नीर मंगाइयो बेटी नहाने जो आई।

अगली प्रातः बारात आने के पश्चात जब लड़की को मंडप पर मामा द्वारा लाया जाता है, तो ये गीत गाया जाता है -

(5) चंद चांदी दा चढ़ेया ओ चांदनी हुई चफेरे
चंद चांदी दा चढ़ेया ओ चांदनी हुई चफेरे

कोई राजपति आए, पापे ते घसी है बेड़े
कोई राजपति आए, पापे ते घसी है बेड़े

चंद चांदी दा चढ़ेया ओ चांदनी हुई चफेरे

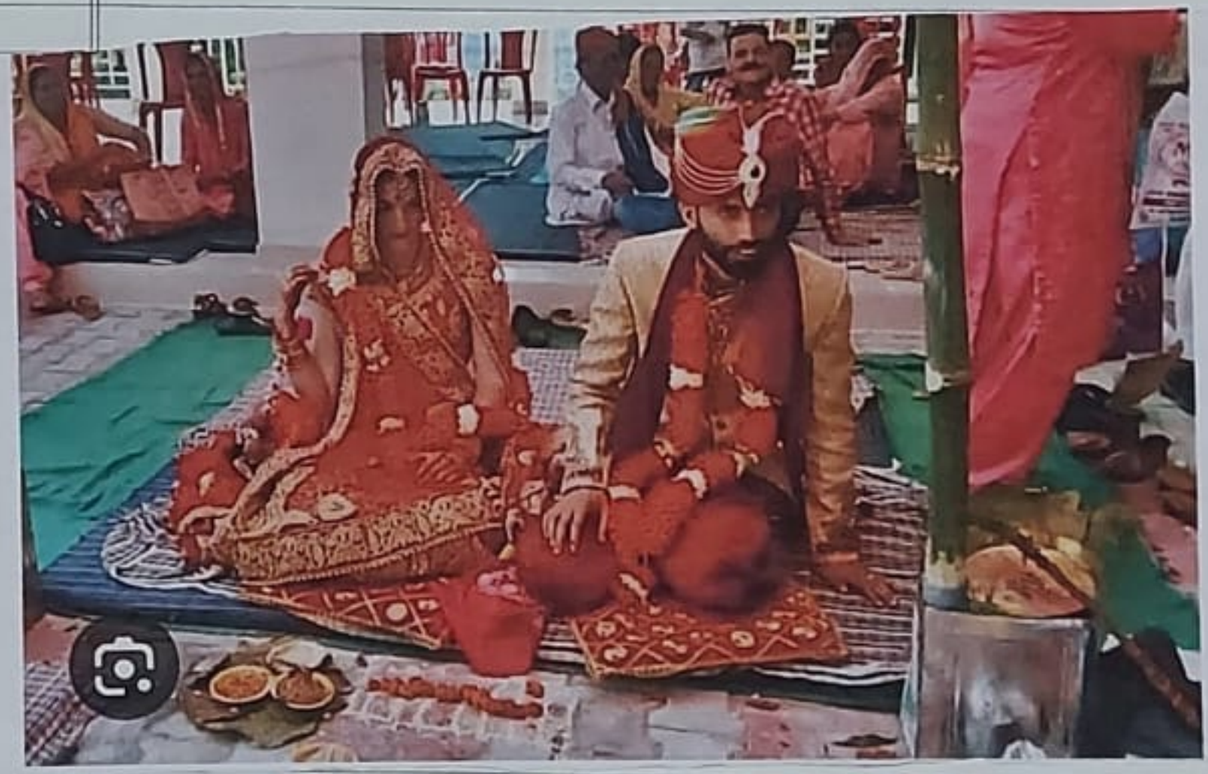

जय माँ सरस्वती

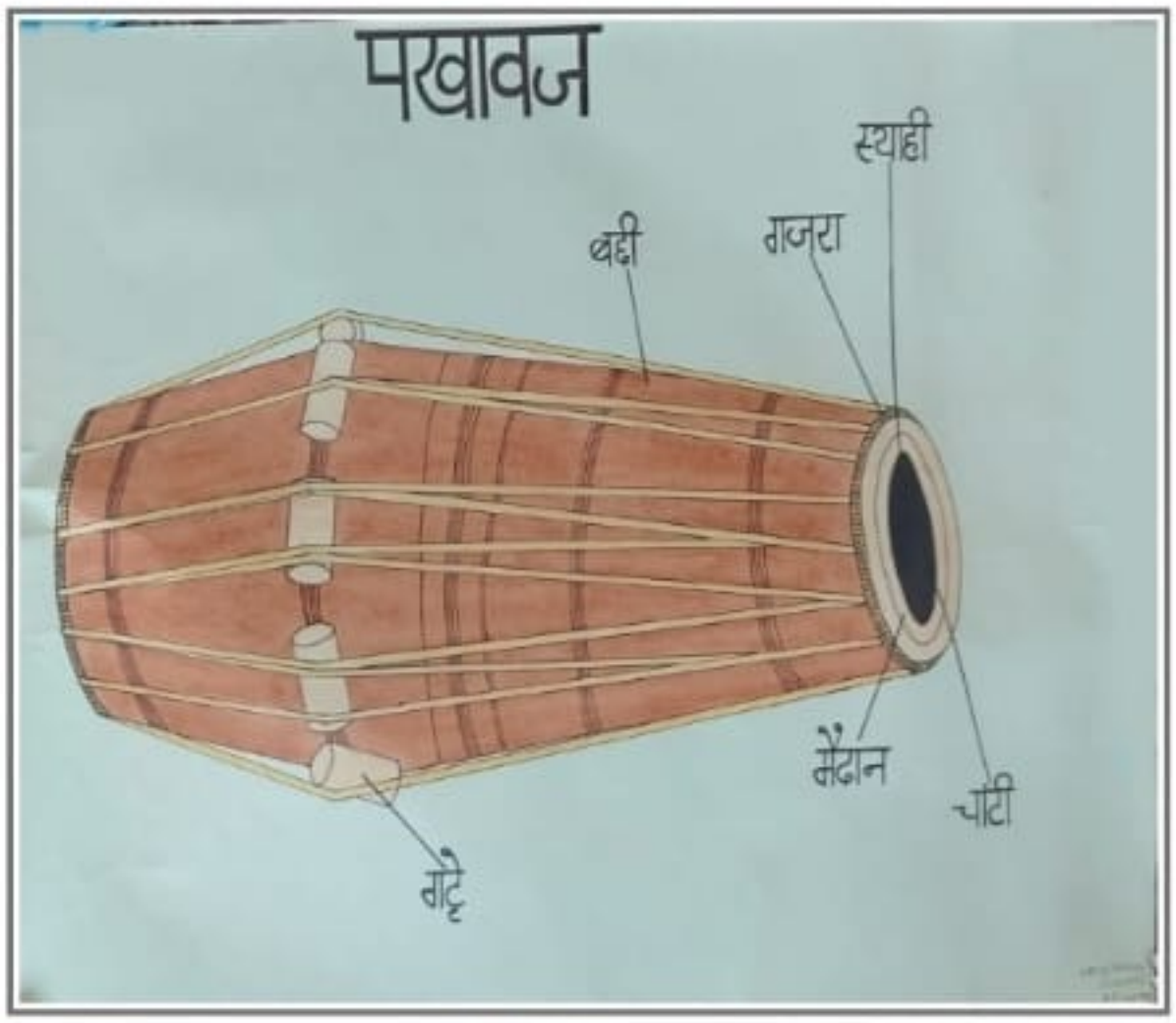

पखावज
स्याही
बद्धी
गजरा
मैदान
चाटी
गट्टे

Name :- Munish

Class : B.A III^nd yr.

Roll No :- 21220704

Subject :- Music

Submitted To :- Dr. Niti Gupta

Topic :- हिमाचल के विवाह गीत

Signature :-

Teacher's Remarks:

Teacher's Signature________